# लीडगि एज एक्ट्यूएटर्स और एयरब्रेक कंट्रोल मॉड्यूल

**स्रोत: पी.आई.बी.**

हाल ही में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (Defense Research and Development Organisation- DRDO) की एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (Aeronautical Development Agency- ADA) ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (Hindustan Aeronautics Limited- HAL) को स्वदेशी **लीडगि एज एक्ट्यूएटर्स और एयरब्रेक कंट्रोल मॉड्यूल** का पहला बैच सौंपा।

- **लीडगि एज एक्ट्यूएटर्स और एयरब्रेक कंट्रोल मॉड्यूल्स** के लिये उड़ान परीक्षणों के सफल समापन ने उत्पादन के लिये अनुमति का मार्ग प्रशस्त कर दिया है, जिससे HAL को हल्का लड़ाकू विमान- तेजस के **Mk-1A संस्करण** को लैस करने हेतु सक्षम बनाने में सहायता मिलेगी।
  - इसका उपयोग विमान के पंख (Wings) के अग्र-धारा स्लैट्स को नियंत्रित करने हेतु किया जाता था।
- इन्हें रिसर्च सेंटर इमारत (RCI), हैदराबाद और सेंट्रल मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (CMTI), बंगलूरू के सहयोग से विकसित किया गया है।
  - **RCI** हैदराबाद में स्थित (DRDO) की एक मुख्य प्रयोगशाला है।
  - **CMTI** भारी उद्योग मंत्रालय के तत्वावधान में कार्यरत एक अनुसंधान एवं विकास संगठन है।

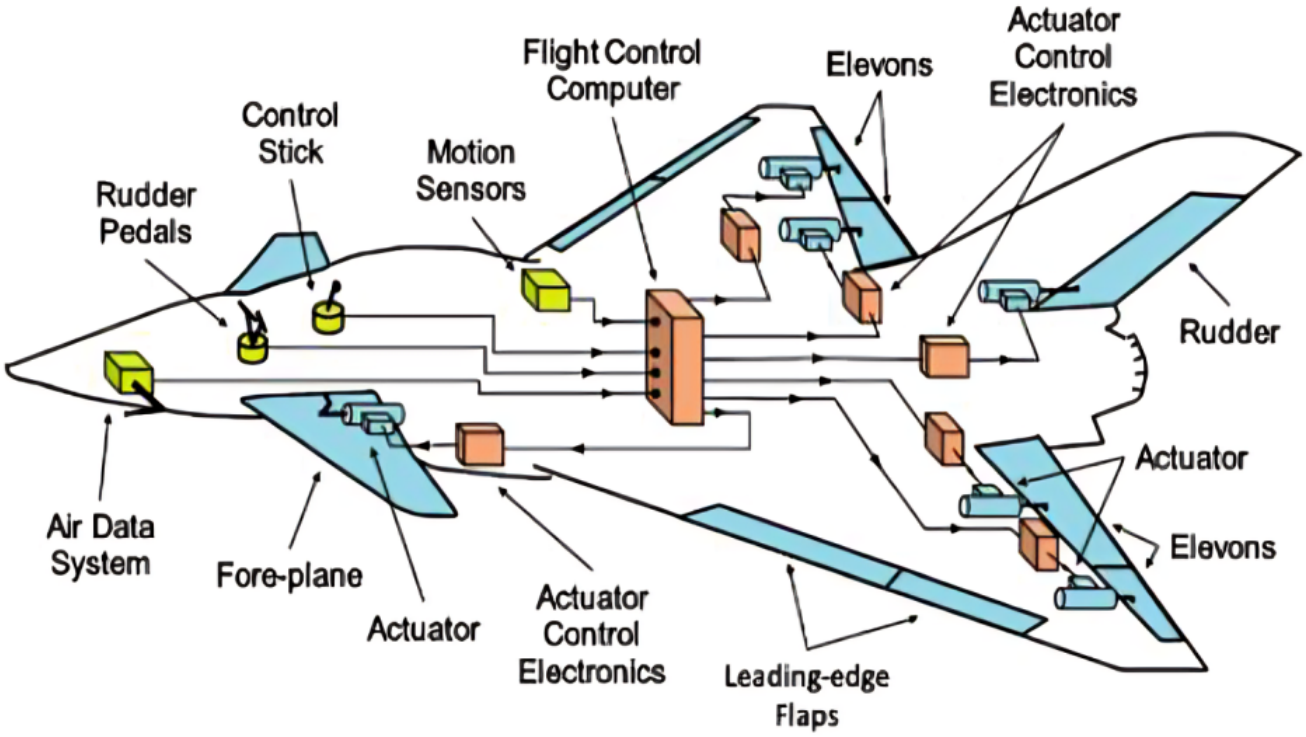


//

**और पढ़ें:** रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने LCA तेजस Mk1A के लिये स्वदेशी लीडगि एज एक्ट्यूएटर्स और एयरब्रेक कंट्रोल मॉड्यूल का पहला बैच एचएएल को सौंपा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/leading-edge-actuators-airbrake-control-module